प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय से ११ कार्मिक सेवानिवृत्त

पंतनगर। ३१ मई, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय से आज ११ कार्मिक सेवानिवृत्त हुए, जिनको कुलपति कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पुष्पगुच्छ प्रदान किये तथा उनके पेंशन व ग्रेच्युटी प्रपत्र एवं सामान्य भविष्य निधि की राशि के चेक दिये। कार्यवाहक वित्त नियंत्रक, डा. जे.सी. बडोला, ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने कहा कि संस्थानों के लिए वहां काम करने वाले कर्मचारियों का योगदान महत्वपूर्ण होता है और उनके अथक प्रयास से ही संस्थान अपनी छवि बनाते हैं। पंतनगर विश्वविद्यालय भी अपने कार्मिकों के महती योगदान के कारण अग्रणी बना हुआ है। वर्तमान में सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों का योगदान इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने विश्वविद्यालय को अपनी अथक परिश्रम से उस समय दृढ़ता प्रदान की जब उसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कार्यरत कर्मियों को सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों से प्रेरणा प्राप्त करने की आवश्यकता है, ताकि वे विश्वविद्यालय को और आगे बढ़ाने हेतु तत्पर हो सकें। उन्होंने इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सुखी एवं मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर डा. जी.के. सिंह, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा; डा. एस.एन. तिवारी, निदेशक शोध; डा. ए.के. शुक्ला, अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानविकी; डा. ए.के. कर्नाटक, अपर निदेशक, प्रशासन एवं अनुश्रवण; डा. बृजेश सिंह, संयुक्त निदेशक, शैक्षणिक डेरी फार्म इत्यादि अधिकारियों ने भी आज सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों को शुभकामनाएं दीं। सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में डा. डी. पी. पन्त एवं श्री नगेन्द्र कुमार ने भी अपने उद्गार प्रकट किये।

आज सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में डा. डी.पी. पन्त, प्राध्यापक; श्री नगेन्द्र कुमार, तकनीकी सहायक; श्री नारायण सिंह, सर्विस मैकनिक; श्री लल्लू सिंह, प्रयोगशाला परिचर; श्री उत्तम सिंह, सुरक्षा चौकीदार; श्री मैनउद्दीन, पशुसेवक; तथा श्री मोहम्मद अली, श्री अच्छे लाल, श्री जुम्मन, श्रीमती लक्की देवी एवं श्रीमती भागमती, कृषि श्रमिक, सम्मिलित थे।

सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के साथ कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा एवं अन्य अधिकारी।